Day .....

July Month Portions

गिनती 1-25

कविता - आँधी आई (1-6 lines)

गिनती 1-25

	पन्द्रह
एक	सोलह
दो	सत्रह
तीन	अठारह
चार	उन्नीस
पाँच	बीस
छः	इक्कीस
सात	बाईस
आठ	तेईस
नौ	चौबीस
दस	पच्चीस
ग्यारह	
बारह	
तेरह	
चौदह	

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

कविता - आँधी आई

1) क) आँधी के आने पर गलियाँ धूल से भर गई थीं।

ख) आँधी में बच्चे फँस गए थे।

ग) दादाजी की छड़ी गिर गई और दादीजी का चश्मा टूट गया।

2) आई, छाई, दिखलाई

3) इक्का लेकर भागा घोड़ा
कोचवान को पीछे छोड़ा।
आसमान में उठे बगूले,
बिछड़ गया चिड़िया का जोड़ा॥
भैंस तुड़ाकर भागी खूँटा;
ग्वाले का मटका भी फूटा।
छड़ी गिर पड़ी दादाजी की,
दादीजी का चश्मा टूटा।

4) क) आँधी ख) चौरस्ता ग) छज्जा
घ) कोचवान च) खूँटा

Scanned with OKEN Scanner

Day .....

5) क) स्त्रीलिंग ख) पुल्लिंग ग) पुल्लिंग
घ) स्त्रीलिंग

6) क) स्त्रीलिंग - सब्जी, चटनी, थाली, खीर, पूड़ियाँ,

ख) पुल्लिंग - फ़ोन, आटा, खीरा, जग, तेल

10) क) स्त्रीलिंग ख) पुल्लिंग ग) स्त्रीलिंग
घ) पुल्लिंग ङ) पुल्लिंग च) स्त्रीलिंग
छ) स्त्रीलिंग ज) पुल्लिंग झ) पुल्लिंग
ञ) स्त्रीलिंग

Scanned with OKEN Scanner